

DPN 5605

Title : आर्यतारा भट्टारिकाया नामाष्टोत्तर सतक  
ĀRYATĀRĀ BHATTĀRIKĀYĀ NĀMĀṢṬOTTARA SATAKA

Run. No. 6296

Cat. No.

Micro. No.

Subject स्तोत्र Hymn

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 17.3 x 6.5

Folios 8  
(7-14)

Lines (in a page) 5

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu / one side yellow

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

इति ॥ वज्रसूक्त कवचादि आप्त एतत् समाप्त ॥



15

10

5

0

centimeter 5

10

15

20

विमलायययाककडकवडाभाविधु-कक॥ २२ वाङ्मनकानअव  
 लजअएनकानकैकाजः सखरुनीलदछुयाययवमना ॥ २३  
 ॥ उककधगतदियाफदिगदिसिदिसंधिकारुतनयिधुनधुसंरुवकुवज  
 सखकवव॥ २४ वाङ्मनिभीवजसखकवदियाफपरकसनाफ॥ २५  
 यधर्माहुयुकावाहुयुकांमधगमयाजि२ धवर्वादिमासगउध॥ २६ ॥



ॐ नमः शिवाय नमः  
 वक्रमम्यनानाक्षकुर्वे  
 नमनायांकिनि कुञ्जिना  
 साकुलनानाक्षमजाकि  
 इरुलायनयचदागीकरी

येन वक्षीमन्यामः  
 जिहनातादुमवताकिम  
 निमलरुं कालनामसासः  
 नमकादधिवासिकनाना  
 स्यनीवाकिचमधवागिरि

मकुवावयसंकुलमिच्छिविद्याधनगरदोगश्चिद्वेनिनादिनामनीरिर्वीकवा  
 लोम्यमककंसनीस्यविक्रयधिसत्वगरदग्यनेदमरुमिधवेनयीवाज्यमात्रा  
 दिकिदवीविद्यावाजसकुरुवाकाटनाजगरदोग्यारोहययीवादिमिद्वतासर्वस  
 त्वहिकायकाकगवानवलाकिनवाविजहावनमयीमायमगकासनसिगा॥मह  
 काकयसायूकाभरीयांवकययांविम॥धर्मादिदसकस्यांवमहस्यादवयष



दि॥ न ता य विरु मा ग म्य न ऊ या शि न हा व ल ॥ य न म क य या य का य यि र मा व ल ॥  
 कि न ॥ ग ल ॥ य न ग सिं हा गि ग ऊ या य न सं क ॥ सा द क मि म न म ल्या म म न सं सा न  
 सा ग न ॥ व धा सं सा न क या र से ना ग ध य न मा स ये म य क य न म स ल्या न म क दि  
 म हा म न व न म क ऊ ना थ स गी मा न व ल ॥ कि न ॥ उ वा व म ध न वा य नि य  
 ऊ या ॥ धो य वा धे नि ॥ गृ ध र उ क क वा जि न्द्र म् म ना क म्य ना यि न ॥ य ॥

नि धा न न सा ल्य न म मा र ग ला क मा रु न ॥ न हा क व न या य ना ऊ र्ध्व न र धा य ला ॥ उ दि  
 ना दि ल्य सं का सा य र्ध्व न र धा य ना ॥ ना स य कि ० ० सा का वा ध स द वा स न मा नू या ॥ क  
 य य कि ० ० ला को का स य कि ० ० वा क सा न ॥ नि मा ल्य न क वा द यी ना र मा र्क ०  
 वि मि द्र व न ॥ ऊ ग न सं व क ना र्थ य म् म ल्या दि ना जि ने ॥ का का न स क स  
 या न ना ना र्थ य स मा कू ल ॥ स न र धा द व ना मा नि स ल्या व का म्म रु स दा ॥ का वा यि



व्यामिहं सत्ता नाना तय महार्थवान् ॥ कनका नमिमा ला क गाय किमनियं गवा ॥ रु  
 का उल्लियुठारुत्वा नमुसा ग्यसा गत्रा ॥ ललामियन विरुष्टा दं ववन मकवनना  
 माष्टा रुत्रमते ककुदियत्यत्रा किरी गेऊनि ॥ दशरुमिस्त्रनेना रथे वाधिमत्वे मह  
 धिक ॥ सर्वथा यह नयेन सागल किर्ति वदनं ॥ धन धन्य कवये वजा नो ग्यय  
 शिवईनं ॥ आयु राग ऊननं सर्व सत्व सुखा वरुं ॥ लक्ष्मी श्री सायुकं देवमः

२

वसत्व विवधनं ॥ मेखी मालव्यमत्यानां क किमय महामून ॥ एवम्क रगवान्यहस  
 मवला किन ॥ यवला क्कदिसं सर्वा मत्या सुवनया दिग्म ॥ दकि मकन मृदस्य पुन्यन  
 कनसादिगा नमुवाज महाया सुसाध साधु महाकय ॥ नामा मृगम हा राग सर्व सत्व  
 वत्सव जा नि सं कि किमन जा सम्य क्ययुधधवा ॥ सर्वथा धि विनिमका सर्व ध्वय  
 गुधा विना अकाल मयानिदग्धा यना यां कि सुखा वरुं ॥ तान हं सयु वक्रा मिद







महाबोडीमहावर्णमुद्रसलनिसन्धनिवायसाकासाकन्यायविजयाकलनय  
 ता॥विद्युत्तामिधजिवजिवकिवायजनायथा॥जकनिसुम्भनिकालिकाः  
 यमात्रिनिसावनिवायनक्रनिसाहनिसाकाकाकाविद्यामिदीगुता॥वाप्रनिवद  
 तावगुहावगुक्कवासिनि॥मागल्यासांकविमोम्याजानवदामनोजवा॥काया  
 त्रिनिसहासागसंक्षसखाय॥वाजिमा॥सार्थवाहकयादृष्टिनष्टमार्गयद

१२

मनि॥वनदासासनिसाकीतिर्यामिकविक्रसासवत्रियागिनिमिधावन्दाविजुम  
 काकवा॥धन्यायुधमहासागमसुगमपियदर्भक्षकमाककासनिरीमाउग्रउग्र  
 महाकया॥जगदकोदिसायाकासदन्तारुकिवसदावागिधनीसिवासुखनित्या  
 सर्वउमानगमसर्वार्थसाधनिरुडागुफिधवीधनंददा॥मृकयाएगतामियुष्म  
 मकुलाकधवात्मजा॥नावानामगुधानकासर्वासायवियुनिनि॥ ॥३॥ताः







नामहायहा॥ ह्यायायस्मायकावेवकुककायाउकादय॥ वमाताग्विवकापय्याथ  
 वान्यइहवतसा॥ ह्यायामयिनवद्यककिंयननस्यविग्रह॥ इहसत्वनवाध  
 कयाधेयानाकसकिव॥ सवधय्यगुरोयुकायुक्तयविविद्वद॥ जाकिस्मा  
 नारुवधीमांकलिनंयीमिदर्शन॥ योकिमानमाहावाग्निसर्वमास्तुविमानद  
 कल्यानमिहसस्यविविधिविरुविरुषिहसदावीवहिकावृष्टाउरुउरुयय

यम॥ ॥ गुरुमिथीप्रार्थना  
 वमरुजंसमाय॥ ॥ ॥  
 नमः॥ ॥ वदवंमया  
 नडावस्थांविहवतिस्म॥ ॥  
 महताहिकसंघनसाईम्

यारुकाविकायानामाहाक  
 जंनमः॥ सर्ववृद्धवाग्विमल  
 कृतमकास्मिन्मयसुगवा  
 रुवमश्नाथयिगुस्यावामः  
 द्युय्यादगतिः॥ ॥



